Bihar Board Class 7 Social Science Civics Solutions Chapter 11 समानता के लिए संघर्ष

पाठगत प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
मछुआरे किन बातों से परेशान थे? उन्होंने इसके लिए क्या किया?
उत्तर-
दबंगों और जमींदारों द्वारा मछुआरों का शोषण किया जा रहा था। उनसे मछली मारने के बदले पैसे लिए जाते थे। फिर सरकार द्वारा फरक्का नामक स्थान पर गंगा नदी पर बाँध दिया गया। समुद्र से गंगा नदी में मछलियों एवं जीरे का बहाव आना बंद हो गया। फलस्वरूप गंगा नदी में मछलियों की कमी हो गयी । गंगा में दोनों तरफ फैक्ट्रियाँ लग जाने से उनसे निकलने वाले कचरे से गंगा और भी प्रदूषित होने लगी। प्रदूषण की वजह से मछलियाँ मरने लगी और उनकी प्रजनन क्षमता भी कम होने लगी।

इन वजहों से मछुआरों के सामने भूखे मरने की नौबत आ गयी और इन्हीं कारणों से मछुआरे परेशान थे। इसके लिए इन्होंने 1982 में कहलगाँव के कागजी टोला से संघर्ष का ऐलान किया । लम्बी नौका यात्रा, नशाबन्दी शिविर, धरना प्रदर्शन, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के प्रयास किए । जाति प्रथा तोड़ने, शराबखोरी बंद करने, जलकर की समाप्ति, महिलाओं को बराबर का हक आदि उनके प्रमुख संकल्प थे।

प्रश्न 2.
क्या कुछ समस्याएँ आज भी बनी हुई हैं ? इनके हल के लिए क्या करना
चाहिए ?
उत्तर-
हाँ, कुछ समस्याएँ आज भी बनी हुई हैं। जैसे – असमानता की भावना, जात-पात की भावना, महिलाओं और पुरुषों के बीच असमानता की भावना आदि 1 आज भी हमारे समाज में जाति को लेकर बहुत भेद-भाव होता है। उच्च जातियों द्वारा निम्न जाति के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। दलितों के साथ छुआ-छूत का व्यवहार किया जाता है।

अपने घर के नौकरों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। आज भी कई जगह लड़कियों को शिक्षित नहीं किया जाता है। महिलाओं और पुरुषों को समान नजरों से नहीं देखा जाता है, जबकि आज के दौर में महिलाएँ हर जगह पुरुषों के कधों से कंधा मिलाकर काम करती है। । इन सभी समस्याओं के विरोध में हमें आवाज उठानी चाहिए।

अभ्यास के प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
अपने विद्यालय या आस-पास में समानता तथा असमानता दर्शाते दो-तीन व्यवहारों को लिखें।
उत्तर-
समान दर्शाने वाले व्यवहार-

1. मतदान।
2. विभिन्न जातियों के बच्चों का एक ही स्कल में पढ़ना।

https://www.evidyarthi.in/

3. अलग-अलग संप्रदायों के लोगों का मिलकर रहना और काम करना।

असमानता दर्शाने वाले व्यवहार-

1. दलितों के साथ होने वाला छुआ-छूत का व्यवहार ।
2. किसी नौकरी के आवेदन में किसी खास वर्ग को प्राथमिकता देना ।
3. किसी खास वर्ग के लिए आरक्षण की मांग करना।

प्रश्न 2.
क्या साइकिल वितरण, पोशाक वितरण, मध्याह्न भोजन वितरण,
छात्रवृति वितरण के समय असमान व्यवहार का भाव झलकता है?
उत्तर-
नहीं, साइकिल वितरण, पोशाक वितरण, मध्याह्न भोजन वितरण, छात्रवृत्ति वितरण के समय असमान व्यवहार का भाव नहीं झलकता है। इन सभी कार्यों के वक्त जैसे साइकिल देते, पोशाक देते वक्त छात्रों के जाति या रूप-रंग, अमीरी-गरीबी आदि को नहीं देखा जाता है। सभी छात्रों को एक समान की साइकिल और पोशाकें दी जाती हैं।

मध्याह्न भोजन के दौरान भी जात-पात के आधार पर अलग-अलग बैठाकर भोजन नहीं करवाया जाता है बल्कि सभी संप्रदाय के बच्चों को एक साथ, एक जगह बिठाकर एक ही तरह का भोजन कराया जाता है। भोजन बनाने वाला भी उच्च जाति का हो ये आवश्यक नहीं है। छात्रवृत्ति देने के दौरान भी जाति को नहीं देखा जाता है।

https://www.evidyarthi.in/